

मेरे मोहन तुम्हे अपनों को तड़पाने की आदत है लिरिक्स



मेरे मोहन तुम्हे अपनों को,
तड़पाने की आदत है,
मगर अपनों को भी है,
जुल्म सह जाने की आदत है,
मेरे मोहन तुम्हे अपनों को,
तड़पाने की आदत है। bdi

चाहे सौ बार टुकराओ,
चाहे लो इन्तहा मेरा,
जला दो शौक से प्यारे,
चाहे लो आशिया मेरा,
चाहे लो आशिया मेरा,
शमा पर जान दे देना,
ये परवानो की आदत है,
मेरे मोहन तुम्हे अपनों को,
तड़पाने की आदत है। bdi

बाँध कर प्रेम की डोरी,
से तुमको खिंच लाऊंगा,
तुम्हे आना पड़ेगा श्याम,
मैं जब भी बुलाऊंगा,
की मैं जब भी बुलाऊंगा,
की दामन से लिपट जाना,
ये दीवानों की आदत है,
Bhajan Diary,
मेरे मोहन तुम्हे अपनों को,
तड़पाने की आदत है। bdi

मेरे मोहन तुम्हे अपनों को,
तड़पाने की आदत है,
मगर अपनों को भी है,
जुल्म सह जाने की आदत है,
मेरे मोहन तुम्हे अपनों को,
तड़पाने की आदत है। bdi

Singer – Radhika Goyal & Muskan Goyal

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करें। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करें। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>